|  | published every saturday morning, by h. B. Masser, sunbury, northumberland county, penvsylianla. <br> NEW SERIES, VOL. 15, N0. 31. <br> SATURDAY MORNING, OCTOBER 2J, 1862. <br> 0LD SERIES, V0L. 23, N0. 5. |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| Crittenden's Philadelphia ComN. E. Corner of 7hand Chestnat sts., Philndelphin |  |  |  |  |  | \|boen changed; yet timrelative ofrencth: <br>  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | As sing ly Major General R. E. 1.rn, with over. <br>  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | ine in lumath tos haste toll here tory to the <br>  |  | notale exemition to thatmentiaring |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | $\begin{aligned} & \text { said the woman quietly, moniner a memortin- } \\ & \text { dum of the name and namber of the street. } \\ & \text { "Come in to morrow morning, and I will do } \end{aligned}$ | color rose to her brow, but she said nothing and harried away with warm, fragrant, and hur |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Like inil angel the tivice stranget looked |  | 4) Ar Aлvicultural Inciantry, |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | competud to work maxatioul than wo, und |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | spisit of कur peeplio, their invenixy perius |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Inate |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | , |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Thint new wowt und wer herima | $\ldots$ |  |  |
| mor |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

TALES \& SKETCHE


